वेदाव

अर्जुन सिंह संयुक्त सचित्र, उत्तरांचन गासन ।

सवाम.

समस्त मुख्य विकित्तामिकारी,

उत्तरांचन ।

देहरादुन : दिनांक कि अन्यरी ,2002 विवित्सा अनुगाय-उ विधाव:- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के मावनों के निर्माण को स्वाकृति के सम्बन्धा

महोचय.

उपर्युक्त विकायक शासनादेशा संख्या- । 15 / वि०-५-२००१-७०/२००। विनांक 22-12-2001 दारा प्राथाधिक स्वास्थ्य केन्द्र हे शादनों के निर्णाणा की स्वोकृति जिल्ल किगान को सहमति से प्रावान की गई है इकिन्तु इसमें सन्यन्धित निर्माण दकाई के नाम का उल्लेखा नहीं दिया नया है । इस सम्बन्धा में मुक्के यह कहने का निवेशा हुआ है कि उस्त शासनादेशा में स्वीवृत कार्यों के लिए कंटरन विवरण के अनुसार निमाणा इकाई नामित किया बाता है ।

होनानक- सम्मोपत ।

अर्जुन सिंह है संयुक्त लियव

संबंधा :6/वि0-3-2002-76/2001 तद् विमांक

प्रतितिषि निम्नतिथात को सूदनार्था रवं जावरयक कार्यवाही हेतु प्रेरितः-

- म्हालेबारकार,उत्तरांक्स,इलाहाकाय ।
- महानिवेशाक, चिकित्सा स्वात्क्य एवं परिवार कत्याणा, उत्तरांक्त । 2-
- अक्ष्मिनिदेशक, बोच्यामार देहरावृत ।
- समस्त कोभारिकारी, उत्तराँका ।
- सम्बन्धित निर्माण छवाई ।
- विदेश अनुभाग-2

बाई काईन ।

अरबा में,

के अर्थन सिंह है नेपुरत समिव

शासनादेश तंत्व्या -6/100-3-2002-76/2001 किल्पिन का संलग्नक

कृटसंठ कार्यका नाम	कार्य औं नागत	वाल विद्रतीय दर्श में कार्य को लागत के तापेक्ष स्वीकत धनरा थि	भाषेश हेकाड निर्माण र कर
2	3	4	
।- पाठ रुवाठ केन्द्र, देतालधार, पोडी	47. 30 ATG	18-00 लाव	उ०५० तथाजकत्याण निक
2- पाठ रेवाठ केन्द्र, धुरत, दिहरी	धाः ६३ लाख	15-00 RTT	उ०५० तमाज केंग्र निरुप्त
३- पुरुष स्वाप केन्द्र बाईचीना अल्पोड़ा	46. 83 MIG	17.00 mid	उठ ५० जार निगम.
4- पाठ स्था० केन्द्र च्याडी अल्मोडा	45. 94 ETT	18.00 MTG	ত্রত বৃত আৰ "নিশম
5- प्राठ स्वाठ हेन्द्र, धामस, अल्मोइर	55. 90 718	22. 00 mrd	३० ५० जल , निराम
6-gTO स्वाठ केन्द्र, सरिपुरा, सरतान,	36.85 लाव	12-00 लाच	उट्यालमाज कानिवानिव
उधा मिंह नगर।		A.	
7- प्राठ स्वाठ, केन्द्र लाल कुजा, नेनोताल	30-00 लाख	9. 00 ला व	उट्यामान कल्याण दिन
	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	
		111. 35 mid	

रेल्वएक करोड़ ग्यारह लाख पेतीत हजार मान्छ।

र जोता तिह श नंद्रका तिहत।

married to the state of the state of the state of the

NR 3. 1545-